सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 172 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 27 जुलाई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

यदि हम हर वो चीज कर दें जिसके हम सक्षम हैं, तो सचमुच हम खुद को चकित कर देंगे।

-थॉमस ए. एडीसन

खिताब से एक कदम दूर भारतीय... 7 | बंगाल में संकट में भाजपा का... 3 | बीजेपी सांसदों ने मुझे दी जेल... 2

नीति आयोग की बैठक पर मचा बवाल

बंगाल सीएम बोलीं- बैठक में हुआ मेरा अपमान

मीटिंग छोड़ बीच में निकलीं ममता बनर्जी

» मुख्यमंत्री ने लगाया माइक बंद करने का आरोप
» नीतीश के बैठक में न जाने से गरमाई सियासत
» गैर-बीजेपी शासित राज्यों ने किया है बहिष्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 9वीं बैठक आज राजधानी दिल्ली में आयोजित हो रही है। इस बैठक को लेकर पिछले कई दिनों से सियासत जारी है। दरअसल, बजट में भेदभाव का आरोप लगाते हुए कुछ गैर भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री ने इस बैठक से किनारा किया। जिनमें कर्नाटक, तमिलनाडु जैसे राज्य प्रमुख हैं। हालांकि, विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस बैठक में शामिल होने का फैसला किया था। जिसके चलते वो बैठक में पहुंची भी। लेकिन ममता बनर्जी बीच में ही अचानक नीति आयोग की बैठक से बाहर निकल आईं, जिसके बाद उन्होंने बैठक में अपने अपमान की बात कहते हुए केंद्र पर गंभीर आरोप लगाए।

बैठक को बीच में ही छोड़कर बाहर निकलीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें बोलने का मौका नहीं देने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मैंने बैठक का बहिष्कार किया है। चंद्रबाबू नायडू को बोलने के लिए 20 मिनट दिए गए, असम, गोवा, छत्तीसगढ़ के सीएम ने 10-12 मिनट तक बात की। लेकिन मुझे सिर्फ 5 मिनट बोलने की अनुमति दी गई। ममता ने कहा कि मैंने बैठक में कहा कि आपको (केंद्र सरकार) राज्य सरकारों के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए। मैं बोलना चाहती थी, लेकिन मुझे पर्याप्त मौका नहीं मिला। विपक्ष की ओर से केवल मैं ही इस कार्यक्रम में भाग ले रही थी, लेकिन फिर भी मुझे बोलने नहीं दिया गया। यह अपमानजनक है।

'यह बंगाल ही नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रीय दलों का अपमान'

बंगाल सीएम ने आगे आरोप लगाया कि जब मैं बोल रही थी उस समय मेरा माइक बंद कर दिया गया। मैंने पूछा कि मुझे क्यों बोलने से रोका गया। मेरे साथ भेदभाव क्यों किया जा रहा है। आपको अपनी पार्टी और सरकार को अधिक अवसर देने के बजाय इस पर खुश होना चाहिए कि मैं बैठक में शामिल हुई। विपक्ष की ओर से केवल मैं हूं और आप मुझे बोलने से रोक रहे हैं। यह केवल बंगाल का अपमान नहीं बल्कि यह सभी क्षेत्रीय दलों का अपमान है।

मुझे केवल 5 मिनट बोलने का दिया मौका : ममता

मनोज झा ने नीति आयोग पर उठाए सवाल

नीति आयोग की बैठक पर राजद नेता मनोज कुमार झा ने कहा कि नीति आयोग क्या है? एक शैक्षणिक अभ्यास के लिए पीएम मोदी ने एक बॉडी बना दी। इन्हें योजना आयोग से क्या दिक्कत थी? सिर्फ इसलिए दिक्कत हुई क्योंकि ये नेहरू के जमाने से था। तो नेहरू के जमाने की तो बहुत सी चीजें है। संसदीय लोकतंत्र नेहरू के कल्पना के बगैर नहीं चलेगा। गणितीय शब्द से सच्चाई नहीं बदलती।

माइक बंद करने का आरोप गलत : सरकार

सरकारी सूत्रों का इस मामले पर कहना है कि नीति आयोग की मीटिंग के दौरान पश्चिम बंगाल की सीएम का माइक बंद होने का आरोप सही नहीं है। घड़ी में सिर्फ यही दिखा कि उनका बोलने का समय खत्म हो गया है। यहां तक कि घंटी भी नहीं बजाई गई। अल्फाबेटिकली उनकी बारी लंच के बाद आती। पश्चिम बंगाल सरकार के आधिकारिक अनुरोध पर उन्हें 7वें स्पीकर के रूप में शामिल किया गया था, क्योंकि उन्हें जल्दी लौटना था।

बैठक में नीतीश नहीं हुए शामिल

नीति आयोग की इस बैठक में एनडीए के साथी व बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल नहीं हुए। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में राज्य का प्रतिनिधित्व उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने किया। नीतीश के बैठक अनुपस्थित रहने का कारण अभी पता नहीं चल सका है। हालांक, नीतीश कुमार के बैठक से किनारा करने पर अब सवाल उठने लगे हैं और तरह-तरह के कयास भी लगाए जाने लगे हैं। बता दें कि केंद्रीय बजट में बिहार के लिए कई घोषणाएं की गई हैं।

मोदी सरकार के 49 दिन, 14 आतंकी हमले और 15 जवान शहीद

» कांग्रेस ने आंकड़े जारी करते हुए नवगठित एनडीए सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर आतंकवाद की घटनाओं में बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। लगभग पिछले डेढ़ महीने से ही जम्मू-कश्मीर में आतंक का खौफ फिर से पनपने लगा है। आए दिन आतंकी घटनाएं व आतंकियों से सुरक्षाबलों से मुठभेड़ की घटनाएं सामने आ रही हैं। जिनमें सेना के जवान भी शहीद हो रहे हैं। लगातार बढ़ रहीं आंतकी घटनाओं को लेकर अब केंद्र की मोदी सरकार विपक्ष के निशाने पर है।

आज जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में हुई मुठभेड़ में एक और जवान के शहीद हो जाने और कैप्टन समेत 4 अन्य जवानों के घायल हो जाने पर प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने दुख जताते हुए केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर कांग्रेस की ओर से कुछ आंकड़े देते हुए लिखा गया कि मोदी सरकार के इन 49 दिनों में 14 आतंकी हमले हुए। जिनमें 15 जवान शहीद हुए जबकि 22 जवान घायल हुए। वहीं इन हमलों में 10 नागरिकों की भी मौत हो गई, जबकि 50 लोग घायल हो गए।

कांग्रेस ने दी शहीद को श्रद्धांजलि

इससे पहले कांग्रेस की ओर से आज हुई मुठभेड़ में एक जवान के शहीद हो जाने पर दुख व्यक्त किया गया था। कांग्रेस की ओर से ट्वीट किया गया कि जम्मू-कश्मीर के माछिल सेक्टर में हुई आतंकी मुठभेड़ में एक जवान के शहीद होने और 4 जवानों के घायल होने की दुखद खबर आई है। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। साथ ही घायल जवानों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ दें। कांग्रेस परिवार की संवेदना शोकाकुल परिवार के साथ है।

बीजेपी सांसदों ने मुझे दी जेल भेजने की धमकी : संजय सिंह

आप सांसद ने कहा- जेल का डर किसे दिखाते हो, मैं नहीं डरने वाला

» बोले- हम पिछड़ों के हक में बोलते रहेंगे, चाहें हमें फांसी दे दी जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आजकल संसद का मानसून सत्र जारी है। जिसमें बजट पर चर्चा हो रही है। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष लगातार एक-दूसरे पर हमलावर नजर आ रहे हैं। इस बीच अब आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भाजपा सांसदों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। संजय सिं ने आरोप लगाया कि बीजेपी के सांसदों ने उन्हें सदन में जेल में भेजने की धमकी दी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए आप सांसद ने कहा कि वो पिछड़ों के हक में बोलते रहेंगे, चाहे उन्हें फांसी ही क्यों न दे दी जाए।

संजय सिंह ने कहा कि इस सदन की कार्यवाही के बारे में सत्ता पक्ष के लोग और विपक्ष के लोग ट्वीट करते हैं। हमारे एक साथी ने यहां पर ओबीसी आरक्षण जनसंख्या के आधार पर दिया जाए, इस मुद्दे पर बहस में हिस्सा ले रहे थे। हम धमकियों से डरने वाली नहीं हैं। आप जेल भेजने की धमकी दे रहे हैं। उधर से कह रहे हैं कि इनको जेल में भेजा जाएगा। जेल से कौन डरता है। सदन से जेल भेज दीजिए। आप सांसद ने कहा कि जेल से डराइए मत। आप सरकार में हैं, सत्ता में हैं, जेल भेजना चाहते हैं। मैं सिर्फ ये कहना चाहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी के बारे में ये मेरी प्रबल धारना है कि वो दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों की विरोधी है।

मोदी सरकार का पिछड़ा वर्ग विरोधी चरित्र आया सामने

इससे पहले के अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में संजय सिंह ने कहा कि राज्यसभा में मोदी सरकार का पिछड़ा वर्ग विरोधी चरित्र सामने दिखा सपा सांसद जावेद अली खान के पिछड़ों की संख्या के आधार पर आरक्षण दिये जाने के प्राइवेट मेम्बर बिल पर भाजपा ने खूब हंगामा किया और सदन स्थगित करा दिया। भाजपा पिछड़ों दलितों आदिवासियों के खिलाफ हमेशा थी, हमेशा रहेगी।

ममता ने की केजरीवाल के परिवार से मुलाकात

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने अरविंद केजरीवाल के माता-पिता से भी मुलाकात की। इस दौरान सीएम ममता बनर्जी ने अरविंद केजरीवाल के माता-पिता का पैर छूककर आशीर्वाद लिया। इस दौरान आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा भी मौजूद रहे। इस मीटिंग के बाद आम आदमी पार्टी की तरफ से पार्टी के एक्स हैंडल पर पोस्ट किया गया। इसमें ममता बनर्जी और सुनीता केजरीवाल की मुलाकात पर आम आदमी पार्टी ने कहा कि तानाशाह के विरोध में इंडिया एकजुट है।

हम उपचुनाव में सभी दस सीटें जीत रहे : रामगोपाल

बोले- बीजेपी लोस की तरह यहां भी होगी चारों खाने चित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की दस सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर हलचलें तेज हो गई हैं। इस बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने उपचुनाव को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन इस चुनाव में दस की दस सीटें जीतने जा रहा है। हमारी बात में ताकत ज्यादा है। उन्होंने कहा कि भाजपा तो पहले भी कहती थी कि वो 80 की 80 सीटें जीत रहे हैं लेकिन उसमें भी क्या हुआ? भाजपा चारों खाने चित हो गई।

भाजपा में मचे घमासान पर प्रतिक्रिया देते हुए सपा सांसद ने कहा कि वैसे तो यह भाजपा का अंदररुनी मामला है। लेकिन, अगर प्रशासन की बात की जाए तो इस अंदरूनी झगड़े का प्रशासन पर बहुत बुरा असर पड़ रहा है। बीजेपी के नेता और विधायक अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं कि अधिकारी किसी काम की नहीं सुनते इस पर प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने कहा कि सरकार में भ्रष्टाचार है तभी तो आरोप लगाए जा रहे हैं नीचे से ऊपर तक भ्रष्टाचार है और कुछ भी नहीं।

नेमप्लेट विवाद सरकार की गंदी सोच का नतीजा

कांवड़ यात्रा रूट पर दुकानों नेमप्लेट विवाद पर सपा नेता ने कहा कि किसी कांवड़िया ने ये नहीं कहा था। यह सरकार की मानसिकता का परिणाम था और यह सरकार की गंदी सोच थी। किसी कांवड़िया ने आज तक ऐसा नहीं कहा और इसीलिए ही सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी।

अब्दुल्ला आजम के पासपोर्ट मामले में फैसला सुरक्षित

समाजपादी पार्टी के नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम के पासपोर्ट मामले इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अब्दुल्ला आजम के मामले में फैसला सुरक्षित कर लिया। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस पूरी होने पर फैसला सुरक्षित किया। अब्दुल्ला आजम के पासपोर्ट मामले में आज जस्टिस राजीव मिश्र की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद आदेश को सुरक्षित किया गया है। अब्दुल्ला आजम पर गलत दस्तावेज से पासपोर्ट बनवाने का गंभीर आरोप है। गलत जन्म तिथि पर फर्जी पासपोर्ट बनवाने के मामले में अब्दुल्ला आजम खान ने ट्रायल कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। कुछ वीडियो क्लिप, शादी के कार्ड आदि दस्तावेज की प्रमाणित प्रतिलिपि दाखिल करने की अनुमति मांगी थी। ट्रायल कोर्ट ने प्रार्थनापत्र को खारिज कर दिया था। ट्रायल कोर्ट के इसी आदेश को अब्दुल्ला आजम ने याचिका में चुनौती दी थी।

शिवसेना को मिलने चाहिए ज्यादा मंत्री पद : संजय शिरसाट

» शिंदे गुट के विधायक का दावा- हमारी वजह से बनी सरकार

» मंत्रिमंडल विस्तार को बताया सही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना नेता संजय शिरसाट का कहना है कि महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार अगले हफ्ते हो सकता है। शिरसाट ने इसके साथ ये भी कहा कि साल 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार बनाने के दौरान उनके विधायकों द्वारा दिए गए बलिदान के कारण उनकी पार्टी को अधिक मंत्री पद मिलने चाहिए। शिरसाट ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस की बैठक हो चुकी है।

मंत्रिमंडल विस्तार से होगा फायदा

शिरसाट ने कहा कि मेरी राय ये है कि इससे महायुति को फायदा होगा यही कारण है कि विस्तार होना चाहिए। ऐसे में मंत्री के तौर पर सरकार में शामिल होने वालों को काम करने के लिए कुछ ही दिन मिल पाएंगे। उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि मंत्री बनने के बाद कितने लोग काम कर पाएंगे। शिरसाट ने शिंदे के नेतृत्व में विधायकों के विद्रोह का जिक्र करते हुए कहा कि शिवसेना के मंत्रियों की संख्या बढ़नी चाहिए, क्योंकि उनके बलिदान के कारण ही सरकार बन पायी थी।

शिवसेना नेता ने कहा कि बैठक के दौरान हो सकता है कि मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा हुई हो। शिवसेना विधायक ने आगे कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार होना चाहिए और यह अगले सप्ताह हो सकता है।

अग्निपथ योजना से व्यावहारिक रूप से देश काफी कमजोर हुआ : उदित राज

कांग्रेस नेता ने बीजेपी पर लगाए गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने अग्निपथ योजना को लेकर एक बार फिर से सवाल उठाए हैं। उदित राज ने कहा कि अग्निपथ योजना से व्यावहारिक रूप से देश कमजोर हुआ है। चीन ने लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश के डोकलाम में अतिक्रमण कर लिया लेकिन, पीएम मोदी की हिम्मत नहीं है कि वह चीन का नाम अपनी जुबान पर ला सकें।

कांग्रेस नेता ने हमला बोलते हुए कहा कि अग्निवीर से अगर देश की ताकत बढ़ी होती, तो चीन की हिमाकत इतनी नहीं बढ़ी होती। सीआरपीएफ में सीधी भर्ती होती थी, जिसमें 10 प्रतिशत का कोटा देकर बेरोजगारी और बढ़ाई गई है। ये लोग भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं।

पीएम जो कहते हैं असल में उसका उल्टा होता है

कांग्रेस नेता उदित राज तंज कसते हुए आगे कहा कि पीएम मोदी जो कहते हैं, उसका विपरीत अर्थ निकालने से ही सही अर्थ निकलता है, जैसे 2 करोड़ रोजगार देंगे, लेकिन 2 करोड़ रोजगार छीन लिए। वैसे ही अग्निवीर के माध्यम से सेना की मजबूती की बात कर रहे हैं, तो मान लेना चाहिए की सेना कमजोर हो रही है। प्रधानमंत्री की आदत में है कि वह झूठ बोलते हैं। वह कहते हैं कि सेना मजबूत हुई तो मान लेना चाहिए कि सेना कमजोर हुई। उन्होंने महंगाई और पेंशन के मसले पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कहा था कि गैस-डीजल-पेट्रोल के दाम सस्ते होंगे, लेकिन सभी के दाम दोगुना हो गए। कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में ही पेंशन खत्म किया गया। 10 सालों में लाखों नौकरियां खत्म कर दी गई, तो पेंशन देने का कोई मतलब ही नहीं है। पुराने कर्मचारियों की पेंशन भी खत्म कर दी।

कांग्रेस शासन के कामों को अपना बता रहे सीएम सैनी : दीपेंद्र हुड्डा

बोले- जनता को ऐसी सरकार को सस्पेंड कर देना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पक्ष और विपक्ष के नेताओं के बीच जुबानी हमले शुरु हो गए हैं। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने प्रदेश की नायब सिंह सैनी सरकार को विकास के मुद्दे पर घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सैनी सरकार पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कामों को अपना गिनवा रही है।

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सीएम नायब सिंह सैनी ने फतेहाबाद में पढ़ दिया गलत भाषण, 10 साल के काम गिनवाए, जिनमें से 7 कांग्रेस काल में शुरू हुए थे, अधिकारी सस्पेंड।

बजट में हरियाणा के लिए नहीं कोई प्रावधान

कांग्रेस सांसद ने तंज कसते हुए आगे लिखा कि ऐसी सरकार को जनता सस्पेंड करेगी जो 10 वर्षों के बाद भी जिलों में हुड्डा सरकार के कार्यों को अपना गिनवाकर कह रही हो कि कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि लोग आगामी विधानसभा चुनावों में भी बीजेपी को ऐसे ही नजरअंदाज करेंगे जैसे केंद्र ने बजट में हरियाणा को किया। दीपेंद्र हुड्डा ने दावा किया कि बजट में हरियाणा के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है और सदन में इस मुद्दे को उठाने पर राज्य के पार्टी सहयोगियों को केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने निशाना बनाया।

बंगाल में संकट में भाजपा का भविष्य !

लोकसभा के बाद विस उपचुनाव में मिली हार ने बिगाड़ा खेल

- लगातार मिली हार से प्रदेश में कमजोर होती जा रही बीजेपी की पकड़
- पार्टी में भी शुरू हो गई गुटबाजी और अंतरकलह
- ममता के आगे कमजोर पड़ रहे पीएम मोदी
- उपचुनाव में बीजेपी ने तीन अपनी सीटें भी गंवाईं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हाल ही में 7 राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा। तो वहीं इंडिया गठबंधन ने इन उपचुनावों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना डंका बजवाया। 13 में से 10 सीटों पर इंडिया गठबंधन ने अपना परचम लहराया था। जबकि भाजपा व एनडीए सिर्फ 2 सीटों पर ही सिमटकर रह गये। इससे पहले लोकसभा चुनावों में भी भाजपा को इस बार जबरदस्त नुकसान उठाना पड़ा था। अब लोकसभा चुनाव के बाद हुए इन उपचुनावों में मिली हार बेशक ये दर्शाती है कि बीजेपी व पीएम मोदी का जादू अब फीका पड़ता जा रहा है। तभी भाजपा को लगातार हार मिल रही है।

लोकसभा चुनावों और इन विधानसभा उपचुनावों में बीजेपी को सबसे बड़ा झटका पश्चिम बंगाल में लगा है। लोकसभा चुनावों में भाजपा को पश्चिम बंगाल से बड़ी उम्मीदें थीं। क्योंकि 2021 विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी के सामने एक मजबूत चुनौती पेश की थी। इसके बाद बीजेपी पश्चिम बंगाल में अपने लिए संभावनाएं तलाशने लगी थी। भाजपा को ऐसा लगने लगा था कि पश्चिम बंगाल में अब वो ममता बनर्जी पर हावी हो सकेगी। इसी उम्मीद के साथ भाजपा लोकसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल में उतरी थी। लेकिन लोकसभा चुनाव के जब नतीजे सामने आए तो उन्होंने बीजेपी की सारी उम्मीदों को मिट्टी में मिला दिया। क्योंकि इन नतीजों में पश्चिम बंगाल में भाजपा को सफलता मिलना तो दूर, पिछले 2019 के चुनाव के मुकाबले उल्टा नुकसान उठाना पड़ गया और उसकी सीटों में कटौती हो गई। लोकसभा नतीजों में एक बार फिर सीएम ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस शानदार प्रदर्शन कर बंगाल पर अपना राज जमाती दिखी। इसके बाद बीजेपी को उम्मीद थी कि 4 सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनावों में वो जीत दर्ज कर ममता बनर्जी की टीएमसी को पस्त करेगी। क्योंकि इन में से तीन सीटों पर भाजपा ने विधानसभा चुनावों में कब्जा जमाया था। यानी कि ये बीजेपी की ही सीटें थीं। लेकिन लोकसभा चुनावों की तरह ही विधानसभा उपचुनावों में भी बीजेपी को मुंह की खानी पड़ी और ममता बनर्जी की टीएमसी ने उपचुनाव में क्लीन स्वीप करते हुए चार की चारों सीटों पर जीत हासिल की। बीजेपी ने अपनी तीन सीटें भी उपचुनाव में गंवा दीं। ऐसे में अब पश्चिम बंगाल में भाजपा को लगातार मिल रहे झटकों पर झटकों के बाद बंगाल में भाजपा का भविष्य खतरे में पड़ता दिख रहा है। इन नतीजों के बाद अब पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सियासी पारी लगातार कमजोर होती जा रही है। लोकसभा चुनावों के बाद चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के नतीजों से राज्य में उसकी राजनीतिक ताकत में लगातार गिरावट का संकेत मिलता है। जो कि नरेंद्र मोदी व भाजपा के लिए एक शुभ संकेत नहीं है। उपचुनावों की बात करें तो ममता बनर्जी की अगुआई वाली तृणमूल कांग्रेस ने 10 जुलाई को हुए मतदान में रायगंज, बागदा, राणाघाट दक्षिण और मानिकतला की सभी चार सीटों पर जीत हासिल की। चारों सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार दूसरे स्थान पर रहे। बीजेपी के लिए ये हार इसलिए भी ज्यादा गंभीर है क्योंकि इनमें से तीन सीटें भाजपा के ही पास थीं। 2021 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने रायगंज, बागदा और राणाघाट दक्षिण सीटें जीतीं थीं। लेकिन उसके तीनों विधायक कृष्ण कल्याणी, विश्वजीत दास और मुकुट मणि अधिकारी अंतत: टीएमसी में शामिल हो गए थे। इसके बाद हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में कृष्ण कल्याणी और मुकुट मणि अधिकारी रायगंज और राणाघाट में भाजपा उम्मीदवारों से हार गए। लेकिन उन्हें विधानसभा उपचुनाव के लिए फिर से टीएमसी ने मैदान में उतार दिया। जहां उन्होंने जीत हासिल की। रायगंज में कृष्ण कल्याणी ने भाजपा के मानस कुमार घोष को 50,077 मतों के अंतर से हराकर विधानसभा सीट पर कब्जा किया। इतना ही नहीं इन उपचुनावों के जरिए भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर के लोकसभा क्षेत्र में आने वाली मतुआ बहुल सीट बागदा में टीएमसी आठ साल बाद वापसी करने में सफल रही। यहां से तृणमूल कांग्रेस की मधुपर्णा ठाकुर, जो 25 साल की उम्र में बागदा से विधानसभा के लिए चुनी गई हैं। सदन की सबसे कम उम्र की सदस्य होंगी। मधुपर्णा ने भाजपा के बिनय कुमार विश्वास को 33,455 मतों के अंतर से हराकर सीट जीती।

बंगाल में घट रहा बीजेपी का प्रभाव

ऐसे में अब पश्चिम बंगाल में भाजपा को लगातार मिल रही हार कहीं बीजेपी के पश्चिम बंगाल से विदाई के आसार तो नहीं हैं। क्योंकि विधानसभा चुनावों के बाद बीजेपी काफी उत्साहित थी और उसे ऐसी उम्मीदें जागी थीं कि वो पश्चिम बंगाल में अब तेजी से बढ़ रही है। लेकिन अब लोकसभा चुनावों में भाजपा को हुआ जबरदस्त नुकसान और उसके बाद उपचुनावों में हुआ क्लीन स्वीप भाजपा की उम्मीदों को जबरदस्त झटका है। यही कारण है कि अब ऐसी आवाजें उठने लगी हैं कि विधानसभा उपचुनाव के नतीजे पश्चिम बंगाल में भाजपा की घटती राजनीतिक ताकत का संकेत हैं। भाजपा के लिए बंगाल में 36 दिनों के अंदर लगा ये दूसरा झटका है। क्योंकि इससे पहले लोकसभा चुनावों में भी बीजेपी को पश्चिम बंगाल में तगड़ा झटका लगा है। लगातार मिल रहे झटके अब ये साबित करते हैं कि प्रदेश में बीजेपी का प्रभाव कम हो रहा है। कहीं न कहीं उसकी ताकत अब पश्चिम बंगाल में वो नहीं रही है, जिसकी उसे उम्मीद थी। दूसरी ओर यह तृणमूल के लिए एक तरह से लाभ है क्योंकि वह उसी तरह का राजनीतिक रवैया दिखा रही है जैसा भाजपा को दिखाना चाहिए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उम्मीदवार के चयन से लेकर मतुआ भावना तक तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने एक ही कार्ड को अलग-अलग रंग में खेला है। साथ ही यह भी स्वीकार करना होगा कि राजनीतिक बयानबाजी और संगठनात्मक व्यवहार के मामले में तृणमूल अभी भाजपा से बहुत आगे है। कहीं न कहीं ये साबित होता है कि बीजेपी के लिए पश्चिम बंगाल से तृणमूल कांग्रेस को किनारे लगाना अभी मुश्किल है।

जनादेश एनडीए के खिलाफ : ममता

ममता बनर्जी ने उपचुनावों के परिणामों का स्वागत किया है। उन्होंने कहा हमने न केवल अपनी सीट बरकरार रखी है, बल्कि अन्य तीन पर भी जीत हासिल की है। इंडिया गठबंधन के भीतर एकता को मजबूत करने के प्रयास में बंगाल सीएम ने यह भी कहा कि भाजपा दो सीटों

को छोड़कर पूरे देश में उपचुनाव हार गई है। वे हर जगह हार गए हैं और इस प्रकार पूरे देश में रुझान भी भाजपा के खिलाफ है। यह रुझान बहुत स्पष्ट है। लोगों का जनादेश एनडीए के पक्ष में नहीं बल्कि इंडिया के पक्ष में है। एनडीए में सभी दलों को एक साथ मिलाकर 46 प्रतिशत वोट मिले, जबकि इंडिया गठबंधन दलों को 51 प्रतिशत वोट मिले। जनादेश उनके खिलाफ है। एक ओर जहां ये जीत टीएमसी के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि लोकसभा चुनाव में हारने वाले दो दलबदलू जीत गए हैं। वहीं दूसरी ओर बीजेपी के लिए लोकसभा चुनावों के बाद इन उपचुनावों में मिली हार एक बड़ा झटका है। जिसके लिए कार्यकर्ताओं और समर्थकों का मनोबल बनाए रखना मुश्किल हो सकता है।

लोकसभा में सीटों के साथ वोट प्रतिशत भी घटा

इन उपचुनावों से पहले पिछले महीने संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में भाजपा को पश्चिम बंगाल में करारा झटका लगा था। लोकसभा चुनावों में बीजेपी को सिर्फ 12 सीटें हासिल हुई हैं। जो कि 2019 में उसे मिली 18 सीटों से भी कम हैं। यानी इस लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में बढ़त की आस लगाए बैठी भाजपा को बंगाल में बड़ा झटका लगा है। जिसकी शायद उसे उम्मीद भी नहीं होगी। क्योंकि इस दौरान बीजेपी ने पश्चिम बंगाल में संदेशखाली से लेकर कई मुद्दों के आधार पर टीएमसी को घेरने का प्रयास किया था। साथ ही कई टीएमसी नेताओं पर ईडी-सीबीआई के द्वारा भी शिकंजा कसा गया था। लेकिन इन चुनाव नतीजों ने ये साबित कर दिया कि पश्चिम बंगाल की जनता अभी भी ममता बनर्जी के साथ है। और उसका विश्वास अभी भी तृणमूल कांग्रेस में ही सबसे ज्यादा है। यही कारण है कि भाजपा को जहां नुकसान हुआ है। वहीं टीएमसी की सीटों में 2019 के मुकाबले और बढ़ोत्तरी ही हुई है। पिछले लोकसभा चुनाव में जहां टीएमसी 22 सीटों पर जीत हासिल कर पाई थी। वहीं अबकी टीएमसी का ये आंकड़ा 29 सीटों तक पहुंच गया। सीटों के साथ-साथ भाजपा का वोट प्रतिशत भी इस चुनाव में घटा है। 2019 के आम चुनाव की तुलना में भाजपा का वोट शेयर 2 प्रतिशत अंक घटकर 38 प्रतिशत रह गया। ऐसे में बीजेपी को बंगाल में दोहरा झटका लगा है। सीटें भी कम हुई हैं और वोट शेयर में भी उसे नुकसान उठाना पड़ा है। जबकि टीएमसी का वोट शेयर 46 प्रतिशत रहा। राज्य भाजपा नेताओं ने विधानसभा उपचुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन के पीछे मुख्य कारणों के रूप में 'धांधली' और कथित चुनाव संबंधी हिंसा को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा के कल्याण चौबे का कहना है कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं थे। धांधली हुई और भाजपा कार्यकर्ताओं को धमकाया गया। इसलिए, हम ये परिणाम देख रहे हैं। वहीं भाजपा सांसद सनिक भट्टाचार्य का कहना है कि हम उपचुनाव पूरे मन से नहीं लड़ सके। कुछ मामलों में लोगों को गलत संदेश गया। मतदाताओं को शत्रुतापूर्ण माहौल में मतदान करना पड़ा, जो बागदा और रानाघाट दक्षिण में स्पष्ट था, लेकिन धैर्य रखिए, हम इसे बदल देंगे। जाहिर है कि धांधली और गड़बड़ी के आरोप लगाना अपनी हार को ढकने जैसा है।

बंगाल बीजेपी में उठने लगे बगावती सुर

बंगाल में लगातार मिल रही हार के बाद अब भाजपा के अंदर से भी आवाजें उठने लगी हैं। लगातार मिल रही हार के बाद अब पश्चिम बंगाल में खुले आम बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष बदलने की मांग उठने लगी है। बंगाल बीजेपी के मौजूदा अध्यक्ष सुकांता मजूमदार को मोदी सरकार में मंत्री बनाया गया है। इसके बाद से ही नया अध्यक्ष कौन होगा, इसे लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच जबरदस्त चर्चा है। बंगाल बीजेपी के नए अध्यक्ष को लेकर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष, सांसद सौमित्र खान के साथ ही बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी का नाम दौड़ में है। लेकिन दिलीप घोष और सौमित्र खान के शुभेंदु अधिकारी के साथ राजनीतिक रिश्ते ठीक नहीं हैं। पश्चिम बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं का एक बड़ा वर्ग चाहता है कि दिलीप घोष फिर से पार्टी की कमान संभालें क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में दिलीप घोष के अध्यक्ष रहते हुए पार्टी ने यहां शानदार प्रदर्शन किया था और 2014 में मिली 2 सीटों के मुकाबले 18 सीटों पर जीत दर्ज की थी। बंगाल बीजेपी के कार्यकर्ताओं के मुताबिक दिलीप घोष जमीनी नेता हैं और उन्होंने राज्य में पार्टी का संगठन खड़ा किया है। हाल ही में वेस्ट मिदनापुर के खड़गपुर में एक बैठक में ऐसा वाकया हुआ, जो बीजेपी को शर्मिंदा करने वाला था। इस बैठक में दिलीप घोष और सुकांता मजूमदार दोनों ही मौजूद थे। बैठक में कुछ नेताओं ने खुलकर मांग की कि दिलीप घोष को फिर से पार्टी का अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए। इसके बाद पश्चिम बंगाल में बीजेपी के बागी नेताओं ने बीजेपी बचाओ मंच बनाया हुआ है। इस मंच के नेताओं ने फैसला किया है कि वे पार्टी के पुराने राज्य मुख्यालय छह, मुरलीधर सेन लेन के बाहर धरने पर बैठेंगे। बागी नेताओं की मांग है कि चुनाव में खराब प्रदर्शन के लिए पार्टी के मौजूदा पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। फिलहाल पश्चिम बंगाल में भाजपा को लगातार मिल रही हार बंगाल में उसके भविष्य के लिए चिंता की बात है। क्योंकि चार साल पहले 2021 में विधानसभा चुनावों में भाजपा की उम्मीदें जागी थीं। इसके बाद उसे उम्मीद थी कि 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी बंगाल में कुछ बड़ा खेला कर सकेगी। लेकिन नतीजों में भाजपा के साथ ही खेला हो गया। इसके बाद अब उपचुनाव में अपनी तीन सीटें गंवाने के बाद भाजपा में अंदर से लेकर बाहर तक आवाजें उठ रही हैं। देखना है कि बीजेपी अब किस तरह से बंगाल को संभाल पाती है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

राहुल सच में जननायक बनने की राह पर!

“ राहुल गांधी अब वाकई में एक जननायक के रूप में बनकर उभर रहे हैं। वो कभी भी जनता के बीच पहुंच जाते हैं। राहुल मजदूर, गरीब, किसान, महिलाओं और मैकेनिक, ड्राइवर्स सबके बीच पहुंचते हैं। वो कभी किसानों के साथ खेत में धान लगाते हैं, तो कभी ड्राइवर्स के साथ बैठकर खाना खाते हैं।

पिछले साल हुई भारत जोड़ो यात्रा के बाद से कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभा रहे राहुल गांधी एक अलग ही अंदाज में नजर आए हैं। एक ओर जहां विपक्ष पीएम मोदी पर उद्योगपतियों का प्रधानमंत्री होने और अमीर मित्रों का साथ देने का आरोप लगाता रहता है। वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के बाद से अपनी छवि को जनता के नेता के रूप में मजबूत बनाया है। असल मायनों में देखा जाए तो महात्मा गांधी के बाद पहली बार किसी नेता ने इस तरह की एक पदयात्रा निकाली। जिसमें वो वाकई में न सिर्फ पैदा चला, बल्कि इस पूरी यात्रा के दौरान आम इंसान के बीच पहुंचा, उनसे मिला और उनकी समस्याओं को जाना। एक बार को ऐसा जरूर लगा कि राहुल गांधी का ये रूप सिर्फ यात्रा भर या चुनाव भर ही देखने को मिलेगा। लेकिन अब जब भारत जोड़ो यात्रा के बाद भारत जोड़ो न्याय यात्रा भी पूरी हो चुकी है और देश के अंदर लोकसभा चुनाव भी खत्म होकर राहुल गांधी फिर विपक्ष में ही रह गए हैं।

इस सबके बाद भी राहुल का ये रूप बदला नहीं है। अब तो वो लोकसभा में विपक्ष की आवाज भी हैं। ऐसे में राहुल गांधी अब वाकई में एक जननायक के रूप में बनकर उभर रहे हैं। वो कभी भी जनता के बीच पहुंच जाते हैं। राहुल मजदूर, गरीब, किसान, महिलाओं और मैकेनिक, ड्राइवर्स सबके बीच पहुंचते हैं। वो कभी किसानों के साथ खेत में धान लगाते हैं, तो कभी ड्राइवर्स के साथ बैठकर खाना खाते हैं। कहीं न कहीं राहुल के इस अंदाज का लाभ कांग्रेस को चुनावों में भी मिला। तो वहीं राहुल की छवि भी अब भारत ही नहीं बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर भी काफी मजबूत हुई है। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर के एमपी-एमएलए कोर्ट में एक सुनवाई के दौरान पहुंचे राहुल का एक बार फिर जननायक वाला रूप देखने को मिला। इस दौरान राहुल गांधी सड़क किनारे मौजूद एक मोची की दुकान पर पहुंच गए। यहां राहुल ने बुजुर्ग मोची से बातचीत की और उसकी समस्याओं को भी जाना। जाहिर है कि अब भाजपा या विरोधी दल इस पर कुछ भी कमेंट करें लेकिन राहुल का अब इस तरह से मिलना कोई चुनावी कदम तो नहीं ही हो सकता है। इससे पहले राहुल रायबरेली में एक सामान्य नाई की दुकान पर पहुंच गए थे। यहां उन्होंने अपनी दाढ़ी भी बनवाई थी। इसके अलावा चुनावों के बाद हुए हाथरस हादसे के पीड़ितों से मिलने भी राहुल पहुंचे थे। इससे पहले मणिपुर हिंसा पीड़ितों से मिलना भी काफी चर्चा में रहा है। राहुल के इस अंदाज को देखकर ऐसा लगता है कि अब भारत के पास एक ऐसा नेता तो है जो बिना चुनाव के भी आम जनमानस के बीच जाता है, उनसे मिलता है और उनकी समस्याओं को सदन में उठाता है। अब सवाल ये ही क्या राहुल सच में जननायक बनने की राह पर निकल चुके हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चुनौतियों के अनुरूप मिले सेना को आर्थिक संबल

डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

वित्तीय वर्ष 2024-25 का आम बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने रक्षा बजट का कुल हिस्सा 6,21,940.85 करोड़ रुपये दिए जाने का प्रावधान किया है। यह धनराशि 2024-25 के कुल वित्त बजट का करीब 12.90 प्रतिशत है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष मात्र 28,403.21 करोड़ रुपये की वृद्धि की गई। यह बढ़ोतरी 4.78 प्रतिशत है जो कि काफी कम है क्योंकि रक्षा चुनौतियां ज्यादा हैं। इसके साथ ही सीमा पर चल रही सामरिक चुनौतियों का दीर्घकालिक समाधान निकालने के लिए सैन्य साजो-सामान के निर्माण में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए विशेष जोर दिया गया है। रक्षा बजट में आवंटित धनराशि को चार भागों में विभक्त किया जाता है। इसमें नागरिक, राजस्व, पूंजीगत खर्च और पेंशन निर्धारित है। नागरिक बजट के हिस्से में 25,963 करोड़ रुपये दिए गए हैं जिसमें बॉर्डर रोड आर्गेनाइजेशन, ट्रिब्यूनल सहित सड़क व अन्य विकास कार्य किए जाते हैं।

रेवेन्यू बजट के लिए 2,82,772 करोड़ रुपये रखे गए हैं। रेवेन्यू बजट से तीनों सेनाओं का वेतन बांटा जाता है जो बजट का बड़ा हिस्सा होता है। इसके अलावा एक्स सर्विसमैन की हेल्थ स्कीम, मेंटिनेंस व रिपेयरिंग का खर्च भी इसी बजट से किया जाता है। इसलिए रेवेन्यू बजट का हिस्सा कुल रक्षा बजट का लगभग 45 प्रतिशत है। यह पिछले साल के मुकाबले 12,652 करोड़ रुपये ज्यादा है। रक्षा बजट में पूंजीगत व्यय के लिए 1,72,000 करोड़ रुपये अलग रखे हैं, जिनमें नये हथियार, विमान, युद्धपोत और अन्य साजो-सामान की खरीद शामिल है। इसमें पिछले साल के मुकाबले 5.7 प्रतिशत का इजाफा किया गया है। यह धनराशि कुल रक्षा बजट का 27.6 प्रतिशत है। इस धनराशि से एयरक्राफ्ट, एयरोइंजन उपकरण, भारी और मध्यम श्रेणी के सैन्य वाहन, नये आधुनिक हथियार तथा गोला-बारूद खरीदा जाएगा। यही नहीं, अन्य तकनीकी सैन्य उपकरणों की खरीद से सेनाओं को सुसज्जित किया जाएगा। इस साल सेना के लिए स्पेशल रेलवे वैगन खरीदे जाने की योजना है। वायु सेना के लिए आधुनिक लड़ाकू विमानों व नए अन्य उपकरणों के खरीदे जाने की संभावना है।

इसी तरह नौसेना को मजबूती प्रदान करने के लिए नए नेवल डॉकयार्ड प्रोजेक्ट शुरू किए जाने की योजना है। पेंशन के लिए बजट में 1,41,205 करोड़ रुपये रखे गए हैं। यह धनराशि कुल रक्षा

बजट का 22.7 प्रतिशत है। इस मद में लगभग 3000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की है। इस बजट में तीनों सेनाओं के सेवानिवृत्त सैनिकों की पेंशन व अन्य मिलने वाले लाभ शामिल होते हैं। इस समय तीनों सेनाओं के सेवानिवृत्त सैनिकों की संख्या करीब 26 लाख है जिसमें सर्वाधिक जवान थलसेना के हैं। पिछले वर्ष की तुलना में भारत की रक्षा चुनौतियां काफी बढ़ गई हैं। पूर्वी लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में सीमाओं पर चीनी सैन्य अतिक्रमण और रोबोट सेना की तैनाती के प्रयास इसके प्रमुख उदाहरण हैं। लद्दाख में चीन की चुनौती को देखते हुए करीब 50,000 सैनिकों की तैनाती की गयी है। इसके अलावा वहां टैंकों, विमानों एवं मिसाइलों की तैनाती कर दी गई, जिससे किसी भी युद्ध की स्थिति से निपटा जा सके। ऐसे में और अधिक रक्षा बजट की जरूरत थी। दूसरी तरफ, पाकिस्तान की तरफ से अघोषित युद्ध जारी है। समुद्र की तरफ से भी भारत को चुनौतियां मिल रही हैं। चीन की समुद्री क्षेत्र में बढ़ती आक्रामकता को देखते हुए भारतीय नौसेना के सामने हिन्द महासागर से लेकर अरब सागर तक चुनौतियां बढ़ी हैं। जिससे निपटने के लिए नौसेना युद्ध समूहों के गठन और नौसेना की एयर विंग को मजबूत करना आवश्यक है। हिन्द महासागर में खतरे देखते हुए तथा पाक व चीन सीमा पर उत्पन्न चुनौतियों के मद्देनजर तीनों सेनाओं के लिए आवंटित धनराशि कम ही कही जाएगी। सीमा पर तनाव को देखते हुए सैन्य साजो-सामान की विशेष आवश्यकता थी। चीन सीमा के नजदीक आवागमन सुलभ बनाने हेतु सड़कों के विकास के लिए सीमा सड़क संगठन को 6500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसके अलावा स्टार्टअप, नवाचार और छोटी इकाइयों को तकनीकी मदद के लिए आईडेक्स योजना के तहत 518 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है जिससे विकास कार्यों में मदद मिलेगी।

रक्षा क्षेत्र में तकनीकी विकास के लिए भी अधिक धन की जरूरत थी। नवीनतम हथियारों से सेनाओं को लैस करना, सैन्य आधुनिकीकरण व नवीनतम युद्ध कला से सेनाओं को सुसज्जित करना हमारी प्राथमिकता हो चुकी है। वहीं साइबर, हाईटेक युद्ध पद्धति एवं नेटवर्क केन्द्रित युद्ध पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। हमें नये परिवेश को ध्यान में रख परम्परागत लड़ाई के साथ-साथ साइबर युद्धों की भी तैयारियां कर लेनी चाहिए। जो देश इसमें पीछे रह गए वे नुकसान भी उठा सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में सबला कमला

अरुण नैथानी

इस साल के अंत में दुनिया के सबसे ताकतवर लोकतंत्र संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में दावेदारी से लगता है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की किस्मत चमक सकती है। अब तक राष्ट्रपति पद के लिये डेमोक्रेट प्रत्याशी के रूप में मजबूत दावेदारी कर रहे जो बाइडेन ने इस चुनावी दौड़ से अपने को अलग कर लिया है। बाइडेन ने यह कदम बढ़ती उम्र के चलते उन पर रेस से बाहर होने के लिये बढ़ रहे दबाव के बीच उठाया। रिपब्लिकन प्रत्याशी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से टीवी बहस में पिछड़ने के बाद लगता था कि उम्रदराज बाइडेन के मुकाबले ट्रंप सशक्त दावेदार हैं, लेकिन कमला हैरिस के डेमोक्रेटिक प्रत्याशी के रूप में सामने आने से तस्वीर बदल गई है। अब ट्रंप बाइडेन की जगह सबसे ज्यादा उम्रदराज प्रत्याशी बन गए हैं। बहरहाल, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की उम्मीदवारी का समर्थन किया है।

जिससे अब यह चुनाव दिलचस्प हो चला है। अमेरिकी इतिहास में कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के लिये पहली अश्वेत महिला दावेदार हैं। डेमोक्रेट्स के लिये यह एक ऐसा जोखिम जो उन्हें उठाना पड़ेगा। दरअसल, ट्रंप अमेरिका में श्वेतवाद के प्रबल समर्थक हैं। ऐसा ही जोखिम बाइडेन ने कमला को उपराष्ट्रपति पद के लिये चुनकर उठाया था। बहरहाल, अमेरिका में धीरे-धीरे डेमोक्रेट कमला के पक्ष में खुलकर सामने आने लगे हैं। बहरहाल, कमला की दावेदारी पर अगले महीने शिकागो में होने वाले डेमोक्रेट्स के राष्ट्रीय सम्मेलन में अंतिम मोहर लगेगी। कमला के लिए धनात्मक पक्ष यह है कि वे बाइडेन के बाद दूसरे नंबर के संवैधानिक पद पर विराजमान हैं। जाहिर है कि डेमोक्रेट्स एक महिला व एक अश्वेत प्रत्याशी की दावेदारी को शायद ही नकार सकें। हालांकि, उपराष्ट्रपति कार्यकाल की कुछ नाकामियों का खमियाजा भी कमला को भुगतना होगा। खासकर अवैध प्रवासियों वाले मुद्दे पर उनकी आलोचना हुई है। हालांकि, गर्भपात के अधिकारों के मुद्दे पर उनकी कामयाबी रही है। बहरहाल, अब कमला की दावेदारी से ट्रंप के लिये चुनौतियां बढ़ गई हैं।

हालांकि, अभी कमला की दावेदारी को महत्वाकांक्षी डेमोक्रेट्स की चुनौती मिल सकती है। फिलहाल, कमला हैरिस के आने से अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव खासा दिलचस्प हो गया है। रिपब्लिकन को डेमोक्रेट्स के विरोध के लिये नये मुद्दे गढ़ने पड़ेंगे। वहीं दूसरी ओर भारत में कमला हैरिस की राष्ट्रपति पद की दावेदारी सामने आने से खासा उत्साह है। दरअसल, भारतीय मूल की मां और जमैका मूल के पिता डॉनल्ड हैरिस की बड़ी संतान कमला को भारतवंशी की तरह देखा जाता है। हालांकि, कहना कठिन है कि उनका भारत व भारतीय संस्कारों से लगाव कितना भावनात्मक और कितना राजनीतिक है। अमेरिका में भारतीयों का एक वर्ग मानता है कि वे भारतीयों के बजाय अफ्रीकी समुदाय के अश्वेतों के मुद्दों पर अधिक सक्रिय रही हैं। हालांकि, वह अपनी भारतीय मूल की पहचान का जिक्र भारतीयों के बीच बखूबी करती रही हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव में भी वे भारतवंशियों को लुभाने के लिये अपने अतीत व तमिलनाडु में अपनी ननिहाल से जुड़े अनुभवों का जिक्र करती रही हैं। निस्संदेह, कमला एक बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी राजनेता हैं। यही वजह है कि उपराष्ट्रपति पद के लिये कमला हैरिस के चयन के समय बाइडेन ने कहा था कि मैं देश के लिये नया नेतृत्व तैयार कर रहा हूं। लगता है आज उनके राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी बनने से वह घड़ी आ गई है। उल्लेखनीय है कि चेन्नई में जन्मी उनकी मां श्यामला गोपालन ऐसे वक्त पर सात समुंदर पार अमेरिका जाने का साहस जुटा सकी थी, जब अकेली लड़की को विदेश पढ़ाने की अनुमति देना बेहद मुश्किल माना जाता था। दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद वह वर्ष 1958 में न्यूट्रीशियन और एंडोक्रोनोलॉजी में पीएचडी करने अमेरिका गई थीं। बाद में ब्रेस्ट कैंसर के क्षेत्र में शोधार्थी बनीं। कालांतर में बर्कले में मानवाधिकारों के लिये संघर्ष करते हुए श्यामला डॉनल्ड हैरिस के संपर्क में आईं और उनसे विवाह किया। बाद में हैरिस से तलाक होने के बाद श्यामला ने भारतीय संस्कारों के साथ कमला व उनकी बहन माया की परवरिश की। आज भले ही कमला अमेरिका में प्रतिष्ठित अश्वेत नेता हों, लेकिन उन्होंने भारत से अपने जुड़ाव को कभी नकारा नहीं। कैलिफोर्निया के ऑकलैंड में जन्मी कमला ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की।

फिर कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री लेकर वकालत शुरू की। वर्ष 2014 में यहूदी वकील डगलस एम्पहॉप से यहूदी व भारतीय परंपराओं से विवाह रचाया। वैसे उनकी छवि अफ्रीकी अमेरिकी राजनेता के रूप में बनी है। एक वजह यह भी है कि बाइडेन ने अमेरिका में भारतीय व अफ्रीकी मूल के निर्णायक वोटों के मद्देनजर कमला की राष्ट्रपति पद की दावेदारी का समर्थन किया है। आज अमेरिका में कमला हैरिस की छवि एक उदार, आधुनिक मूल्यों की पक्षधर तथा मानवाधिकारों के लिये संघर्ष करने वाली महिला के रूप में बनी है। निस्संदेह, कमला हैरिस एक मुखर वक्ता और करिश्माई बहस करने वाली राजनेता हैं। जिसे उनके वर्ष 2016 में सीनेटर बनने, कैलिफोर्निया की अटॉर्नी जनरल व मौजूदा उपराष्ट्रपति की भूमिका ने समृद्ध किया है। हालांकि, अमेरिकी में बसे चार मिलियन अमेरिकी भारतवंशियों में से अधिकांश उनके राष्ट्रपति बनने से भारतीय रुतबा बढ़ने की बात कह रहे हैं, लेकिन कुछ का मानना है कि कश्मीर आदि मुद्दों पर भारत के प्रति उनका रुझान बहुत सकारात्मक नहीं रहा है।

पढ़ने वाले बच्चों को नियमित योगाभ्यास करना चाहिए। कई योग याददाश्त बढ़ाने में सहायक हैं, साथ ही एकाग्रता, पढ़ाई में फोकस करने में भी मदद करते हैं।

इन योगासन से तेज होगी बच्चों की याददाश्त

पढ़ाई में लगने लगेगा मन

वर्तमान समय में बच्चों की शिक्षा एक बहुत बड़ा मुद्दा है। इन दिनों अधिकतर अभिभावक अपने बच्चों की पढ़ाई, उनके परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन और अच्छे परीक्षा परिणाम को लेकर चिंतित रहते है। बच्चे भी माता पिता की उम्मीदों पर खरे उतरने और बेहतर अंकों से परीक्षा पास कर नए क्लास में जाने को लेकर पढ़ाई में मन लगा रहे हैं। लेकिन समस्या ये है कि बच्चा घंटों पढ़ता है लेकिन उसे कुछ याद ही नहीं रहता या रिविजन के समय तो उसे सब याद रहता है लेकिन परीक्षा में लिखते समय वह रटा रटाया भी भूल जाता है। इस तरह की समस्या आपके बच्चे को भी है तो परेशान न हों। ऐसे पढ़ने वाले बच्चों को नियमित योगाभ्यास करना चाहिए। क्योंकि कई योग याददाश्त बढ़ाने में सहायक हैं, साथ ही एकाग्रता और पढ़ाई में फोकस करने में भी मदद करते हैं। इन कुछ योगासनों से परीक्षा के दौरान बच्चे फ्रेश रहेंगे और साथ ही याददाश्त भी बढेगी।

वज्रासन

वज्रासन योग के अभ्यास के लिए घुटने पीछे की ओर मोड़कर बैठ जाएं। दोनों हाथ घुटने पर रखकर आंख बंद करके मन को शांत रखते हुए यह आसन करें। इस आसन से तनाव और गुस्सा कंट्रोल में रहता है। साथ ही मन शांत और एकाग्र रहता है। यह इकलौता ऐसा आसन है जिसे पेट भरने के बाद भी किया जा सकता है. इससे जांघों, पैरों, हिप्स, घुटनों, कमर, टखनों की समस्याओं से निपटने में आराम मिलता है. इस आसन से शरीर मजबूत होता है और आयु में वृद्धि होती है। ये आसन आंखों की रोशनी को बढ़ाता है। इससे पंजों, घुटनों, पिण्डलियों, जांघों, कमर व रीढ़ को बल मिलता है। यह अतिनिद्रा को दूर कर मन को एकाग्र करता है तथा स्मरण शक्ति को बढ़ाता है। यह कमर दर्द, कटि स्तम्भ एवं पीठ के दर्द को ठीक करता है। इस आसन को करने से गठिया रोग से बचाव होता है।

सर्वांगासन

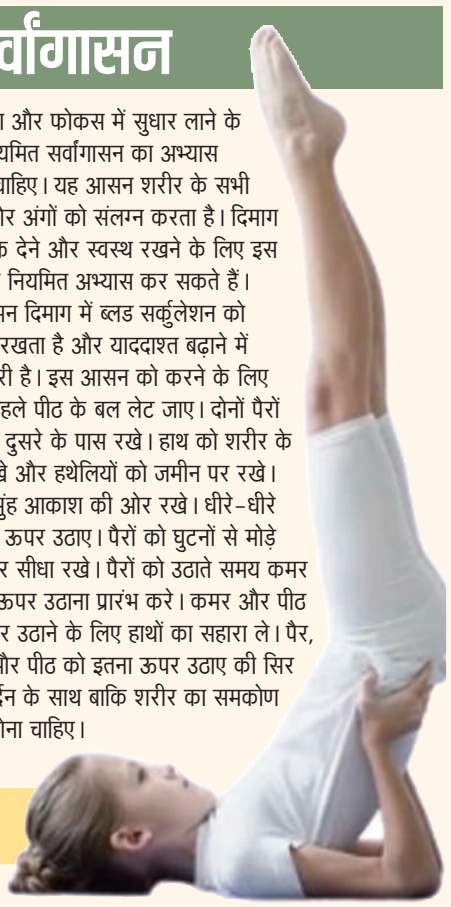

एकाग्रता और फोकस में सुधार लाने के लिए नियमित सर्वांगासन का अभ्यास करना चाहिए। यह आसन शरीर के सभी चक्रों और अंगों को संलग्न करता है। दिमाग को शक्ति देने और स्वस्थ रखने के लिए इस योग का नियमित अभ्यास कर सकते हैं। सर्वांगासन दिमाग में ब्लड सर्कुलेशन को सुचारू रखता है और याददाश्त बढ़ाने में लाभकारी है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाए। दोनों पैरों को एक दुसरे के पास रखे। हाथ को शरीर के पास रखे और हथेलियों को जमीन पर रखे। अपना मुंह आकाश की ओर रखे। धीरे-धीरे पैरों को ऊपर उठाए। पैरों को घुटनों से मोड़े नहीं और सीधा रखे। पैरों को उठाते समय कमर को भी ऊपर उठाना प्रारंभ करे। कमर और पीठ को ऊपर उठाने के लिए हाथों का सहारा ले। पैर, कमर और पीठ को इतना ऊपर उठाए की सिर और गर्दन के साथ बाकि शरीर का समकोण तैयार होना चाहिए।

पद्मासन

इस आसन को कमल मुद्रासन भी कहा जाता है। इस आसन के अभ्यास से मांसपेशियों का तनाव कम और दिमाग शांत रहता है। एक्टिव रहने के साथ ही दिमाग की सेहत में भी सुधार होता है। इस आसन से बच्चे को एक जगह ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है। पद्मासन के लिए पालथी मारकर बैठ जाएं और दोनों हाथों को घुटने पर रखकर आंखें बंद कर लें। और हाथ जोड़कर इस आसन का अभ्यास करें।

हंसना मना है

दो पड़ोसन आपस में बात कर रही थी, पहली पड़ोसन- तुम्हें पता है 24 साल तक मेरे कोई औलाद नहीं हुई, दूसरी पड़ोसन- तो फिर तूने क्या किया? पहली पड़ोसन- जब मैं 24 साल की हुई तब घरवालों ने जाके मेरी शादी करवाई फिर कहीं जाकर मुन्ना हुआ, दूसरी पड़ोसन आईसीयू में भर्ती है।

बंटू- वेटर, ऐसी चाय पिलाओ जिसे पीकर मन झूम उठे और बदन नाचने लगे, वेटर- सर हमारे यहां भैंस का दूध आता है, नागिन का नहीं।

लड़की ब्वॉयफ्रेंड को अपनी मम्मी से मिलवाने ले गई, दूसरे दिन गर्लफ्रेंड - मम्मी को तुम बहुत पसंद आए। ब्वॉयफ्रेंड - चल पगली....कुछ भी हो.... मैं शादी तो तुमसे ही करूंगा.... मम्मी से बोलना मुझे भूल जाएं.....

संजू- पंडित जी, किसी सुंदर लड़की का हाथ पाने के लिए क्या करूं? पंडित जी- किसी मॉल के बाहर मेहंदी लगाने का काम शुरू कर दे।

डॉक्टर- जब तुम तनाव में होते हो क्या करते हो? मरीज- जी, मंदिर चला जाता हूं... डॉक्टर-ध्यान लगाते हो वहां? मरीज- जी नहीं, लोगों के जूते चप्पल मिक्स कर देता हूं, फिर उन लोगों को देखता रहता हूं... मरीज की बात सुनकर डॉक्टर हैरान रह गया...

कहानी | राजा की सम्यक दृष्टि

एक बहुत प्रभावशाली, बुद्धि और वैभव से संपन्न राजा था। आस-पास के राजा भी समय-समय पर उससे परामर्श लिया करते थे। एक दिन राजा सोचने लगा कितना विशाल है मेरा परिवार, कितनी मजबूत है मेरी सेना, कितना बड़ा है मेरा राजकोष। ओह! राजा कवि हृदय था और संस्कृत का विद्वान था। अपने भावों को उसने शब्दों में पिरोना शुरू किया। चौथी लाइन पूरी नहीं हो रही थी। राजा भी अपनी वे तीन लाइनें बार-बार गुनगुना रहा था लेकिन बार-बार गुनगुनाने पर भी चौथा-चरण बन नहीं रहा था। उसी रात एक चोर राजमहल में चोरी करने के लिए आया था। चोर भी संस्कृत भाषा का विज्ञ और आशु कवि था। राजा द्वारा गुनगुनाए जाते श्लोक के तीन चरण चोर ने सुन लिए। उस चोर का कवि मन भी मचलने लगा। अगली बार राजा ने जैसे ही वे तीन लाइनें पूरी कीं, चोर के मुंह से चौथी लाइन निकल पड़ी, चोर की इस एक पंक्ति ने राजा की आंखें खोल दीं। उसने चारों ओर देखा ऐसी ज्ञान की बात किसने कही? उसने आवाज दी, पलंग के नीचे जो भी है, वह मेरे सामने उपस्थित हो। चोर हाथ जोड़ कर राजा से बोला, हे राजन! मैं आया तो चोरी करने था, पर आप के द्वारा पढ़ा जा रहा श्लोक सुनकर यह भूल गया कि मैं चोर हूं। हे राजन ! मैं अपराधी हूं। मुझे क्षमा कर दें। राजा ने कहा, तुम अपने जीवन में चाहे जो कुछ भी करते हो, इस क्षण तो तुम मेरे गुरु हो। गुरु होने के कारण तुम मुझसे जो चाहो मांग सकते हो। राजा ने कहा, आज मेरे ज्ञान की आंखें खुल गईं। इसलिए मैं शीघ्र ही संन्यास लेना चाहता हूं। राज्य अब तृण के समान प्रतीत हो रहा है। तुम यदि मेरा राज्य चाह तो मैं उसे सहर्ष देने के लिए तैयार हूं। चोर बोला, राजन! आपको जैसे इस वाक्य से बोध पाठ मिला है, वैसे ही मेरा मन भी बदल गया है। मैं भी संन्यास स्वीकार करना चाहता हूं। राजा और चोर दोनों संन्यासी बन गए। एक ही पंक्ति ने दोनों को स्पंदित कर दिया। यह है सम्यक दृस्ष्टि का परिणाम। जब तक राजा की दृष्टि सम्यक नहीं थी, वह धन-वैभव, भोग-विलास को ही सब कुछ समझ रहा था। ज्यों ही आंखों से रंगीन चश्मा उतरा, दृष्टि सम्यक बनी कि पदार्थ पदार्थ हो गया और आत्मा आत्मा।

7 अंतर खोजें

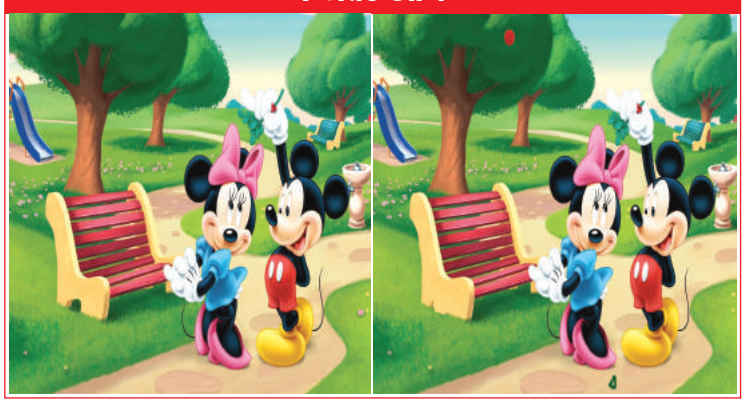

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। जल्दबाजी न करें।

वृषभ

पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन

आय में निश्चितता रहेगी। शत्रुभय रहेगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है।

कर्क

प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। प्रमाद न करें।

सिंह

परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे।

कन्या

मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

तुला

मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। चिंता बनी रहेगी।

धनु

व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। जोखिम बिलकुल न लें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

मकर

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी।

कुम्भ

व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय होगी। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी।

मीन

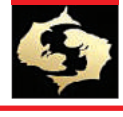

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

यश चोपड़ा की फिल्म ने फेमिनिज्म के अर्थ का अनर्थ कर दिया : जावेद

दिग्गज गीतकार और स्क्रिप्ट राइटर जावेद अख्तर अपनी बेबाकी से दिए गए बयानों के लिए अक्सर चर्चा में रहते हैं। अब हाल ही में उन्होंने दिवंगत निर्देशक यश चोपड़ा की फिल्म जब तक है जान पर को लेकर बड़ा बयान दे दिया है। शाहरुख खान, कैटरीना कैफ और अनुष्का शर्मा स्टारर इस फिल्म के एक डॉयलॉग पर जावेद अख्तर ने तंज कसा और निर्देशक पर फेमिनिज्म को गलत तरीके से दिखाने का आरोप लगाया है। जावेद अख्तर हाल ही में ही शो बी ए मैन, यार! के एक एपिसोड में नजर आए थे। जहां उन्होंने काफी मुद्दों पर बात की। वहीं उन्होंने एक सवाल पर यश चोपड़ा की फिल्म जब तक है जान का नाम लिया और फिल्म में अनुष्का शर्मा के किरदार अकीरा के डायलॉग्स पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में सशक्त महिला को गलत तरीके से पेश किया गया है। जावेद अख्तर ने फिल्म का जिक्र करते हुए कहा, एक पिक्चर थी यश चोपड़ा साहब की, जब तक है जान... उसमें एक डायलॉग था- मैं दुनिया में जितनी नेशनेलिटी हैं, हर नेशनेलिटी के एक आदमी संग सोने के बाद किसी से शादी करूंगी! अरे भाई तू इतनी मेहनत क्यों करेगी? तू सशक्त है? तू मॉडर्न है? तू अच्छी है? तू आगे की सोच रही है? मान जाते हैं ना... इतनी मेहनत करने की जरूरत नहीं है तुमको। बहुत नेशनेलिटी हैं दुनिया में। इसके चक्कर में मत पड़ो। जावेद अख्तर ने कहा कि, अब ये क्या है? इस डायलॉग का कुछ मतलब है क्या? कहां से आ रहा है यश चोपड़ा की फिल्म में ये सब? वे दिखावा करना चाहते हैं कि ये एक सशक्त लड़की है। उन्हें ये स्पष्ट रूप से नहीं पता है कि एक सशक्त लड़की कैसी होती है, इसलिए वे इसे इतना बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हैं। राइटर ने कहा कि आज भी फिल्म निर्माता आधुनिक भारतीय महिला के विचार को लेकर काफी भ्रम में हैं। बता दें कि जब तक है जान 13 नवम्बर, 2012 को रिलीज हुई यश चोपड़ा के निर्देशन में बनी आखिरी फिल्म थी।

सादगी का लिबास उतार खूंखार किरदार निभायेंगी श्वेता तिवारी

मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपनी बेहतरीन अदाकारी के दम पर देशभर में एक खास पहचान हासिल की है। 43 साल की उम्र में भी एक्ट्रेस लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। खासतौर पर अपनी फिटनेस को लेकर श्वेता सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वहीं, अब खबर आई है कि श्वेता करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस धर्मा प्रोडक्शन के साथ जुड़ने जा रही हैं, जिसमें एक्ट्रेस दमदार रोल में दिखाई देंगी। अब श्वेता ने इस बात की पुष्टि खुद भी कर दी है।

श्वेता तिवारी ने हाल ही में एक मीडिया चैनल से बात करते हुए बताया कि जल्द ही वह धर्मा प्रोडक्शन की वेब सीरीज में नजर आने वाली हैं। श्वेता का कहना है कि वह इस सीरीज में डॉन के रोल में दिखाई देंगी। उन्होंने बताया कि शो में वह साड़ी पहन और सिगरेट पीते हुए दिखेंगी। एक्ट्रेस का कहना है कि ये एक चुनौतीपूर्ण किरदार होने वाला है और यही कारण था कि उन्होंने इस रोल को करने का फैसला किया है।

छोटे-छोटे रोल्स करने के लिए तैयार हैं श्वेता

श्वेता ने इस सीरीज के बारे में फिलहाल ज्यादा जानकारी नहीं दी। एक्ट्रेस ने कहा कि वह अब नए चैप्टर की शुरुआत करने जा रही हैं। ऐसे में वह छोटे-छोटे रोल्स निभाने के लिए भी तैयार हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि उन्होंने टीवी शोज में लीड किरदार निभाए हैं, लेकिन अब वह इससे बाहर निकल रही हैं और कुछ नया करने की कोशिश में हैं। श्वेता एक कलाकार के तौर पर नई चीजें एक्सप्लोर करना चाहती हैं।

पैसे नहीं देखतीं श्वेता

श्वेता का कहना है कि वो अपनी जिंदगी में बहुत संतुष्ट हैं। चाहे उनकी निजी जिंदगी हो या काम वह हर चीज से संतुष्ट हैं। एक्ट्रेस कहती हैं कि वह अब वही करती हैं जो उन्हें अच्छा लगता है। श्वेता अब बस यह देखती हैं कि जो प्रोजेक्ट उन्हें मिल रहा है वह कैसा है, अगर रोल अच्छा होता है तो वह पैसों के बारे में सोचे बिना उसमें काम करती हैं।

फिर तबाही मचाने आ गई 'हसीन दिलरुबा'

तापसी पन्नू इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा को लेकर लाइम लाइट में हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। यह तापसी की हसीन दिलरुबा का पार्ट 2 है, जिसका फैंस को बेसब्री से इंतजार है। तापसी पन्नू की मोस्ट अवेटेड फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर एक्शन, ड्रामा, सस्पेंस और रोमांस से भरपूर है। फिल्म में तापसी का काफी बोल्ड अंदाज दिखने वाला है। वहीं विक्रांत मैसी एक बार फिर अपनी हसीना के प्यार में हद से गुजरते दिखने वाले हैं। लेकिन इस बार उन्हें टक्कर देने हसीना का एक नया आशिक सनी कौशल आए हैं। फिल्म का ट्रेलर काफी शानदार है। इसने फिल्म के लिए एक्साइमेंट को दोगुना कर दिया है। मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का ऐलान बीते दिनों काफी यूनिक तरीके से किया था। तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और सनी कौशल हाथ में किताब दिख रही हैं। तापसी की किताब के कवर पर लिखा है- 9 अगस्त की रात टपकेगा खून,आएगा कातिलाना मानसून। विक्रांत की किताब के कवर पर लिखा है- 9 अगस्त की हसीन रात, दिलरुबा के साथ। वहीं सनी की किताब के कवर पर लिखा है- 9 अगस्त को दिल पिघलेंगे, इश्क का जहर निगलेंगे। इसके बाद किताब का ऑफिशियल कवर दिखता, जिस पर लिखा है- सबको इश्क का पाठ पढ़ाने फिर आई हसीन दिलरुबा।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

NetfliX इंडिया ने वीडियो को पोस्ट करते हुए बीते दिनों रिलीज डेट का ऐलान किया था। टीम ने लिखा था- 9 अगस्त की शाम, हसीन दिलरुबा के नाम। बता दें कि इस क्राइम थ्रिलर फिल्म का इंतजार फैंस को बेसब्री से हैं। फिल्म के फर्स्ट पार्ट को लोगों ने बहुत पसंद किया था।

अजब-गजब | यहां शादी करना पसंद करते हैं लोग

समुद्र में 15 मीटर नीचे लगी है ये मूर्ति

दुनिया में अजूबों की कमी नहीं हैं। कुछ तो इंसान के बनाए ही हैं, लेकिन उन्हें ऐसी जगह मिल गई है जो उन्हें खास और अनूठा बना देती है। क्राइस्ट ऑफ द एबिस ऐसी ही एक अंडरवॉटर मूर्ति है जो दुनिया भर के विभिन्न स्थानों पर स्थित है। इस शानदार मूर्ति में ईसा मसीह को समुद्र तल की गहराई में खड़े होकर अपनी बाहें फैलाए हुए दिखाया गया है। यह गोताखोरों और समुद्री जीवन दोनों के लिए शांति, आशा और सुरक्षा का प्रतीक है।

क्राइस्ट ऑफ द एबिस भूमध्य सागर में स्थित ईसा मसीह की एक विस्मयकारी जलमग्न कांस्य प्रतिमा है। यह गहराई में खोज करने वाले गोताखोरों के लिए आशा और सुरक्षा के प्रतीक के रूप में कार्य करता है। इतालवी कलाकार गुइडो गैलेटी ने क्राइस्ट ऑफ़ द एबिस को बनाया था। उनका मकसद गिरे हुए गोताखोरों को सम्मानित करना था।

वैसे तो क्राइस्ट ऑफ द एबिस की मूल प्रतिमा इटली के तट पर स्थित है, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि इसकी दो और प्रतिकृतियां बनाई गई है। उनमें से एक को फ्लोरिडा के की लार्गो के तट पर, और दूसरी को ग्रेनेडा के सेंट जॉर्ज में स्थापित

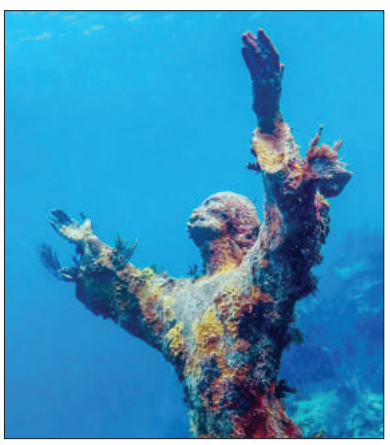

किया गया है। यदि आप इटली में क्राइस्ट ऑफ द एबिस में गोता लगाने के लिए पर्याप्त साहसी हैं, तो आप पाएंगे कि यह लगभग 15 मीटर की गहराई पर समुद्र तल पर विराजमान है। इटली में क्राइस्ट ऑफ द एबिस हर साल हज़ारों गोताखोरों को आकर्षित करता है। आज यह प्रतिष्ठित प्रतिमा एक पसंदीदा गोताखोरी स्थल बन गई है, जो दुनिया भर से गोताखोरी के शौकीनों को आकर्षित करती है।

की लार्गो में क्राइस्ट ऑफ द एबिस एक जीवंत कोरल रीफ सिस्टम से घिरा हुआ है। जॉन पेनकेम्प कोरल रीफ स्टेट पार्क के भीतर स्थित, क्राइस्ट ऑफ द एबिस की की लार्गो प्रतिकृति रंगीन कोरल संरचनाओं से खूबसूरती से सजी हुई है, जो गोताखोरों के लिए एक आकर्षक पृष्ठभूमि प्रदान करती है। क्राइस्ट ऑफ द एबिस पानी के नीचे की शादियों के लिए एक लोकप्रिय स्थल है। गोताखोर अक्सर क्राइस्ट ऑफ द एबिस में प्रशंसा और भक्ति के प्रतीक छोड़ते हैं। श्रद्धा और कृतज्ञता के प्रदर्शन में, गोताखोर अक्सर मूर्ति और विस्मयकारी पानी के नीचे की दुनिया से अपने संबंध के संकेत के रूप में क्रॉस, धार्मिक अवशेष और यहां तक कि व्यक्तिगत वस्तुओं जैसे छोटे स्मृति चिन्ह छोड़ते हैं।

कला, धर्म और प्रकृति के मिश्रण के रूप में, क्राइस्ट ऑफ़ द एबिस एक सांस्कृतिक प्रतीक है जो और कई तरह के लोगों को जोड़ने का काम करता है। कई गोताखोरों ने क्राइस्ट ऑफ़ द एबिस से मिलने पर शांति और आध्यात्मिक जुड़ाव की गहरी भावना को बयां किया है। समुद्र की सतह के नीचे मजबूती से खड़े होकर और समय की कसौटी पर खरा उतरते हुए, क्राइस्ट ऑफ द एबिस इंसानियत की चुनौतियों पर काबू पाने और विजयी होने की क्षमता को बताता है।

काशी के अनोखे वकील...करते हैं संस्कृत में बहस, जज भी हो जाते हैं इनसे हैरान

वाराणसी। भारत के लोअर कोर्ट में हिंदी और अंग्रेजी भाषा का प्रयोग आम है। लेकिन महादेव की नगरी काशी में एक ऐसे अनोखे वकील है जो कोर्ट रूम में सिर्फ और सिर्फ संस्कृत भाषा में ही अपनी दलीलें पेश करते है। 1-2 नहीं बल्कि 46 सालों से काशी के सीनियर एडवोकेट आचार्य श्याम जी उपाध्याय संस्कृत भाषा में केस लड़ते चले आ रहे हैं। उनका दावा है कि आज तक उन्हें किसी केस में हार का सामना नहीं करना पड़ा है। आचार्य श्याम जी उपाध्याय जब कोर्ट रूम में संस्कृत भाषा में अपना पक्ष रखते हैं तो अच्छे-अच्छे वकीलों के पसीने छूट जाते हैं । कई बार कोर्ट रूम में जज भी हैरान हो जाते हैं । कई बार मुकदमे के सुनवाई के दौरान जज को ट्रांसलेटर की जरूरत भी पड़ती है। बीते 46 सालों से श्याम जी उपाध्याय संस्कृत भाषा में केस लड़ रहे हैं। कोर्ट में जज के सामने एप्लिकेशन से लेकर बहस तक सभी काम आचार्य श्याम जी उपाध्याय संस्कृत भाषा में ही करते हैं। बता दें कि श्याम जी उपाध्याय का जन्म मिर्जापुर जिले में हुआ था लेकिन 1978 से वो वाराणसी न्यायालय में प्रैक्टिस कर रहे हैं। आचार्य श्याम जी उपाध्याय ने बताया कि संस्कृत भाषा के उत्थान के लिए उन्होंने बचपन में ही इसका संकल्प लिया था। उनके पिता स्वर्गीय संकठा प्रसाद उपाध्याय से उन्होंने सुना था कि कचहरी के सारे कामकाज हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू भाषा में होता है। संस्कृत भाषा का उपयोग कचहरी में नहीं होता। बचपन में पिता की सुनी इस बात के बाद श्याम जी उपाध्याय ने संस्कृत भाषा में ही मुकदमा लड़ने का संकल्प लिया और फिर वाराणसी न्यायालय से इसकी उन्होंने शुरुआत की। श्याम जी उपाध्याय महादेव के भक्त भी हैं। इसलिए उन्होंने अपने चौकी पर ही महादेव को स्थापित कर दिया है। हर रोज सुबह जब वो कचहरी आते हैं तो पहले चौकी पर विराजे महादेव की विधिवत पूजा-अर्चना करते हैं उसके बाद वो अपने काम की शुरुआत करते हैं। बता दें कि संस्कृत भाषा के क्षेत्र श्याम जी उपाध्याय के विशेष योगदान के लिए साल 2003 में भारत सरकार ने उन्हें नेशनल संस्कृत अवार्ड 'संस्कृत मित्र' से नवाजा था। इसके अलावा भी उन्हें कई पुरस्कार मिले हैं।

भारत में इंजीनियर नहीं हैं क्या टाटा ने क्यों मांगे चीनी इंजीनियर!

» टाटा जैसी कंपनियों को चीन से क्यों मंगाने पड़ रहे हैं इंजीनियर

» देश की तीन बड़ी कंपनियों ने की 36 इंजीनियर्स के वीजा की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी अक्सर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की बात करते रहते हैं। वो टेक्नोलॉजी से लेकर अक्षय ऊर्जा और सौर ऊर्जा में भी भारत के आत्मनिर्भर बनने का दंभ भरते रहते हैं। लेकिन अब भारत की कंपनियों को ही अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में बेहतर करने के लिए चीनी इंजीनियरों की जरूरत पड़ गई है। जहां एक ओर चीन अपनी विस्तारवादी नीति के तहत हमारे घर में घुसता आ रहा है और हमारी सरकार चीनी प्रोडक्ट्स को बैन करने का दंभ भी भरती रहती है, वहीं दूसरी ओर देश की बड़ी कंपनियां ही चीनी इंजीनियरों की मदद ले रही हैं।

चीन से इंजीनियर मांगने पर उठे सवाल

टाटा सोलर, रिन्यू और अवाडा इलेक्ट्रो ने सरकार को भेजे आवेदन

2030 तक अक्षय ऊर्जा से 500 गीगावाट बिजली का लक्ष्य

भारत ने 2030 तक सूर्य की रोशनी और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों से 500 गीगावाट बिजली उत्पादन क्षमता स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। वह उच्च-स्तरीय उपकरणों तथा प्रौद्योगिकी के लिए चीन से आयात पर बहुत अधिक निर्भर है, जो सौर पैनल का विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक तथा निर्यातक है। हालांकि, कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद से और सीमा पर जारी तनाव के बीच भारत में चीनी कर्मियों के प्रवेश पर लगाए गए कड़े प्रतिबंधों से परियोजनाओं के तय समयसीमा पर पूरा होने में संदेह है।

टाटा ने सर्वाधिक 20 चीनी इंजीनियरों के लिए मांगी मंजूरी

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, टाटा पावर सोलर लिमिटेड ने 2024 में चीनी इंजीनियर द्वारा दायर 20 वीजा आवेदनों के लिए मंजूरी मांगी है। रिन्यू पावर ने नौ चीनी इंजीनियर के लिए वीजा का अनुरोध किया और अवाडा इलेक्ट्रो ने देश भर में जारी अपनी परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण सात पेशेवर के लिए वीजा आवेदन दिए हैं। इन कंपनियों ने सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि. (एसईसीआई) को चीनी पेशेवरों की वीजा की मांग वाले ये आवेदन भेजे हैं। एसईसीआई अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसी है। इसे आखिरी आवेदन इस हफ्ते ही भेजा गया है। इसके बाद एसईसीआई ने इन आवेदनों को मूल मंत्रालय, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय को भेज दिया। इस संबंध में टाटा पावर सोलर, रिन्यू और अवाडा को भेजे गए ई-मेल का अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। बता दें कि दुनिया का सबसे बड़ा सौर पैनल, इनवर्टर और टर्बाइन का उत्पादक और निर्यातक है। चीनी विशेषज्ञता की मांग इनके सौर मॉड्यूल की लागत-प्रभावशीलता और तकनीकी प्रगति से पैदा हुई है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि अक्षय ऊर्जा समय की मांग है और सौर ऊर्जा इसका बेहतरीन जरिया है। देश में कई बड़ी कंपनियों ने इस क्षेत्र में अरबों डॉलर का निवेश किया है, लेकिन अब उन्हें चीन के पेशेवरों की जरूरत है, इसलिए इन कंपनियों ने चीनी इंजीनियरों और तकनीशियनों के लिए वीजा आवेदनों के लिए सरकार से संपर्क साधा है। सूत्रों के मुताबिक, जनवरी से अब तक तीन कंपनियों ने 36 चीनी पेशेवरों के लिए कारोबारी वीजा की मांग की है। इनमें टाटा पावर सोलर लिमिटेड, रिन्यू पावर और अवाडा इलेक्ट्रो जैसी तीन बड़ी कंपनियां शामिल हैं।

पुराने वाहनों को कबाड़ बनाने पर कर में छूट देगी दिल्ली सरकार

» मंजूरी के लिए उपराज्यपाल को भेजा प्रस्ताव

» इस योजना का उद्देश्य नए वाहनों को बढ़ावा देना है : कैलाश गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार पुराने वाहनों को कबाड़ में तब्दील करने की सूरत में कर रियायत देने की योजना बना रही है और इसने इस संबंध में मंजूरी के लिए एक प्रस्ताव उपराज्यपाल वीके सक्सेना को भेजा है। सरकार ने नए परिवहन और गैर-परिवहन वाहनों के पंजीकरण के लिए मोटर वाहन कर में रियायत देने का फैसला किया है। इस छूट का लाभ लेने के लिए पुराने वाहन को पंजीकृत वाहन कबाड़ सुविधा को सौंपे जाने का प्रमाणपत्र जमा करना होगा।

दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि नीति का उद्देश्य पुराने व प्रदूषणकारी वाहनों को कबाड़ में तब्दील करने और नए वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि कर रियायतों की पेशकश करके, हमें उम्मीद है कि वाहन मालिक अधिक पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपनाना शुरू करेंगे।

रेलवे में ग्रुप डी भर्ती धांधली में विधायक बेदीराम समेत 18 पर आरोप तय

» आरोपियों पर रेलवे के प्रश्न पत्र को बेचने का है आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रेलवे में ग्रुप डी की भर्ती में धांधली और इसी से जुड़े गिरोह बंद अधिनियम के दो अलग-अलग मामलों में विधायक बेदीराम और विपुल दुबे सहित 18 आरोपियों पर आरोप तय कर दिए। गैंगस्टर कोर्ट के विशेष न्यायाधीश पुष्कर उपाध्याय ने दोनों ही मामले में गवाहों को तलब करते हुए सुनवाई के लिए 7 अगस्त की तारीख तय की है।

वहीं, कोर्ट ने दोनों मामलों में आरोपी कृष्ण कुमार के खिलाफ मामला बंद कर दिया, क्योंकि उनकी की मौत हो चुकी है। इससे पहले रेलवे भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करने और गैंगस्टर के मामलों में बेदीराम और विपुल दुबे सहित मामले के सभी आरोपी कोर्ट में हाजिर हुए। जहां बेदीराम और अवधेश की ओर से दोनों मामलों में आरोपों से मुक्त करने की मांग वाली अर्जी दी गई, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। कहा कि अर्जी देकर आरोपी कोर्ट की कार्यवाही को विलंबित करना चाहते हैं, जबकि वे चाहते तो पहले ही अर्जी दे सकते थे। मामला फरवरी 2006 में हुई परीक्षा में धांधली का है। आरोपियों पर आरोप है कि उन्होंने आर्थिक लाभ के लिए रेलवे के प्रश्न पत्र को लोगों को बेचा है।

दिल्ली नहीं तो क्या लाहौर जाएंगे किसान: मान

» बोले- सत्ता का केंद्र दिल्ली तो वहीं जाएंगे किसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बदलाव के लिए वोट करे हरियाणा

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र पर हमला बोलते हुए कहा कि अगर बीजेपी नीत सरकार शंभू और खनौरी बॉर्डर पर डेरा डाले प्रदर्शनकारी किसानों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं देगी तो क्या वह उन्हें (किसानों) लाहौर भेजें। हरियाणा में एक सभा को संबोधित करते सीएम मान ने कहा खनौरी और शंभू बॉर्डर पर लोहे की कील और अवरोधक लगाकर बाधा पैदा की गई है, ताकि किसान दिल्ली में प्रवेश न कर सकें। सत्ता का केन्द्र दिल्ली है इसलिए वे वहीं जाएंगे। अगर वे दिल्ली नहीं जाएंगे, तो क्या मैं उन्हें लाहौर भेज दूं।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि चार साल पहले भी किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोका गया था। उन्होंने कहा कृषि कानूनों (अब निरस्त हो चुके) के खिलाफ किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान 726 किसानों की मौत हो गई थी। इस बीच, हिसार के बरवाला में आयोजित एक कार्यक्रम में मान ने कहा कि हरियाणा के लोगों ने विभिन्न दलों को मौका दिया लेकिन उन सभी ने राज्य को लूटा। सीएम मान ने कहा यदि कोई चिकित्सक किसी बीमारी का इलाज नहीं कर पा रहा है तो चिकित्सक बदल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली और पंजाब के मतदाताओं की तरह हरियाणा के लोगों को भी इस बार ''बदलाव'' के लिए वोट करना चाहिए।

बहुमत नहीं मिला, वर्ना बीजेपी संविधान बदल देती

अपने संबोधन में सीएम मान ने राज्य सरकार की अनेक योजनाओं से लोगों को अवगत कराया। उन्होंने केंद्र की बीजेपी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान बीजेपी ने 400 पार की बात की थी लेकिन अब वे सहयोगी दलों के सहयोग से अपनी सरकार चला रहे हैं। सीएम मान ने कहा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हरियाणा से हैं और उन्होंने देश की राजनीति की दिशा बदल दी है। उन्होंने कहा था कि अगर बीजेपी को भारी बहुमत मिला तो वह संविधान बदल देगी। शुक्र है कि उन्हें बहुमत नहीं मिला, वरना वे संविधान बदल देते।

खिताब से एक कदम दूर भारतीय महिलाएं

» एशिया कप के फाइनल में पहुंची टीम इंडिया

» बांग्लादेश को 10 विकेट से दी करारी शिकस्त

» फाइनल में श्रीलंका से होगा मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलंबो। भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वूमेन्स एशिया कप के फाइनल में जगह बना ली है। अब भारतीय टीम खिताब से महज एक कदम दूर है। रंगिरि दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने बांग्लादेश को 10 विकेट से करारी शिकस्त देकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की।

इस मुकाबले में भारत को जीत के लिए महज 81 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने 11 ओवर में ही हासिल कर लिया। फाइनल में भारतीय टीम का सामना श्रीलंका से होगा, जिसने दूसरे सेमीफाइनल मैच में पाकिस्तान को तीन विकेट से पराजित किया। टूर्नामेंट का फाइनल 28 जुलाई को खेला जाएगा।

स्मृति मंधाना ने जड़ी ताबड़तोड़ फिफ्टी

भारत के लिए ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 39 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए, जिसमें 9 चौके के अलावा एक सिक्स शामिल रहा। वहीं शेफाली वर्मा 26 रन पर नाबाद रहीं। शेफाली ने 28 गेंदों की पारी में 2 चौके लगाए। इन दोनों ने धांसू बल्लेबाजी करके बांग्लादेश को मैच में वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

20 ओवर में 80 रन ही बना सका था बांग्लादेश

इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट पर 80 रन ही बना सकी। बांग्लादेश के लिए कप्तान निगार सुल्ताना ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए। इसके अलावा शोर्ना अख्तर नाबाद 19 रन ही दोहरे अंकों में पहुंच सकी। भारत की ओर से तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और स्पिनर राधा यादव ने तीन-तीन विकेट लिए। जबकि पूजा वस्त्राकर और दीप्ति शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

शरद पवार ने अमित शाह के बयान पर किया पलटवार

एनसीपी एसपी प्रमुख बोले- हैरानी है जिसे सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात से बाहर निकाल दिया था वो आज देश का गृहमंत्री है

शाह ने शरद पवार को बताया था राजनीति में भ्रष्टाचार का सरगना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के चलते सियासी तापमान हाई है। प्रदेश में इसी साल विधानसभा चुनाव होना है। इसलिए राजनीतिक दलों और उनके नेताओं द्वारा एक-दूसरे पर सियासी वार लगातार जारी हैं। इसी क्रम में अब एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर उनके बयान को लेकर पलटवार किया है।

दरअसल, अमित शाह ने बीते दिनों अपने एक बयान में शरद पवार को राजनीति में भ्रष्टाचार का सरगना करार दिया था। अब शरद पवार ने अमित शाह पर पलटवार किया है। शरद पवार ने कहा कि ये हैरानी की बात है कि एक व्यक्ति जिसे सुप्रीम कोर्ट द्वारा गुजरात से बाहर किया गया था, वो देश का इतना अहम मंत्रालय संभाल रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार ने कहा कि कुछ दिन पहले गृह मंत्री अमित शाह ने मेरे खिलाफ बयान दिया था और कुछ बातें कही थीं। उन्होंने कहा था कि शरद पवार देश के भ्रष्ट लोगों के कमांडर हैं। हैरानी है कि एक ऐसा व्यक्ति देश का गृह मंत्री है, जिसे कानून के गलत इस्तेमाल के चलते सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात से बाहर कर दिया था।

केंद्र ने मराठा आरक्षण मुद्दे पर नहीं दिया ध्यान

शरद पवार ने यह भी कहा कि विडंबना यह है कि दो अलग-अलग वर्गों के बीच दरार पड़ गई है। कुछ लोगों ने इन दोनों वर्गों के बीच विभाजन किया है। आज के शासकों ने दो पक्षों का समर्थन किया है। एक समूह ने ओबीसी का और दूसरे ने मराठा प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया है। हमें इस पर ध्यान देना चाहिए कि कैसे सौहार्द और संवाद बढ़ाया जाए। उन्होंने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि केंद्र ने इस मुद्दे पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है।

संवाद की कमी है मूल समस्या

महाराष्ट्र में इस समय मराठा और ओबीसी आरक्षण का मुद्दा चर्चा में है। मनोज जारांगे पाटिल ने मांग की है कि मराठा समुदाय को केवल ओबीसी श्रेणी से आरक्षण मिलना चाहिए। अब इस मुद्दे पर शरद पवार ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महाराष्ट्र के जालना और बीड जैसे जिलों में स्थिति तनावपूर्ण है। संसद के मानसून सत्र के बाद मैं वहां जाऊंगा और लोगों से बातचीत करूंगा। वहां जो अविश्वास और कड़वाहट का माहौल है, वह बहुत चिंताजनक है। मैंने पहले कभी ऐसी स्थिति नहीं देखी है। उन्होंने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि मूल समस्या संवाद की कमी है। आज संवाद खत्म हो गया है, जिससे गलत धारणाएं बढ़ रही हैं। हमें संवाद बढ़ाने की आवश्यकता है, और हम जैसे लोगों को इस प्रक्रिया में अधिक ध्यान देना चाहिए।

'केंद्र शासित प्रदेश की मांग बचकाना व अव्यवहारिक'

» **जदयू नेता ने बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के बयान की करी आलोचना**

» **दुबे ने की झारखंड, बिहार और बंगाल के कुछ हिस्सों को अलग कर एक नया केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। झारखंड से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के एक नया केंद्र शासित प्रदेश बनाने वाले बयान से जेडीयू सहमत नहीं है। उनके बयान पर जेडीयू के राष्ट्रीय सचिव राजीव रंजन ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि निशिकांत दुबे कुछ राज्यों के कई जिलों को मिलाकर केन्द्र शासित प्रदेश बनाने की जो मांग वह कर रहे हैं, इसे बेहद अव्यवहारिक, बचकाना, अज्ञानता पूर्ण, तनाव बढ़ाने वाला बयान कह सकते हैं।

राजीव रंजन ने कहा कि एक वरिष्ठ सांसद के तौर पर राज्यों के पुनर्गठन और इससे जुड़े संवैधानिक प्रावधानों की जिस तरह से उन्होंने धज्जियां उड़ाई हैं, ऐसे नासमझी भरे बयान सुर्खियां तो बटोर सकते हैं, लेकिन इन बयानों को कोई गंभीरता से नहीं लेता है। ऐसे बयानों को खारिज करना चाहिए। इसके अलावा और कोई विकल्प नहीं बचता है।

दुबे ने हिंदू आबादी घटने के चलते दिया था बयान

बता दें कि झारखंड से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने झारखंड के संथाल परगना और बिहार एवं बंगाल के कुछ जिलों को मिलाकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग की। लोकसभा में भाजपा सांसद ने झारखंड में घट रही हिंदू आबादी, बढ़ रही बांग्लादेशी घुसपैठ, धर्मांतरण और एनआरसी का मुद्दा लोकसभा में उठाया था। उन्होंने कहा कि बिहार से अलग होकर जब झारखंड एक अलग राज्य बना था तब संथाल परगना क्षेत्र में 2000 में आदिवासियों की संख्या 36 फीसदी थी, जो आज 26 फीसदी है। दुबे ने कहा था कि बंगाल के मालदा, मुर्शिदाबाद, बिहार के अररिया, किशनगंज, कटिहार और झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र को केंद्र शासित प्रदेश बनाइए नहीं तो हिंदू खाली हो जाएंगे।

मलेरिया से बचाव के लिए हुआ ड्रोन से छिड़काव

» **लखनऊ नगर निगम की अनोखी पहल**

» **प्रदेश में पहली बार मॉस्किटो लार्विसाइडल ऑयल से होगा छिड़काव**

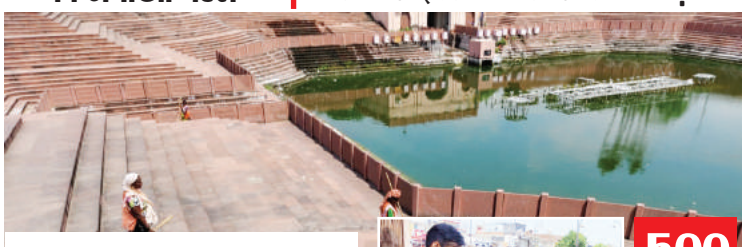

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मलेरिया से बचाव के लिए लखनऊ नगर निगम की तरफ से ड्रोन से छिड़काव कराया गया। यह पहली बार हुआ है कि संचारी रोगों से बचाव के लिए इस स्तर पर अभियान शुरू हुआ है। नगर निगम के जोन छह इलाके में घंटा घर के पास स्थित सतखंडा तालाब और आसपास के इलाके में छिड़काव किया गया।

नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के आदेश पर शहर के 500 से ज्यादा तालाब और नालों में अब यह अभियान तेज होगा। लखनऊ के अलावा यह अभियान पूरे प्रदेश में चलेगा। दरअसल, केंद्र सरकार ने तय किया है कि साल 2025 तक मलेरिया मुक्त देश करना है। ऐसे में केंद्रीय गाइड लाइन के तहत इस अभियान की शुरुआत की गई है। अभियान की शुरुआत घंटाघर के पास की गई। यह लखनऊ का हेरीटेज जोन है। यहां शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक करीब 10 हजार से ज्यादा लोगों का प्रतिदिन आना होता है। ऐसे में इस इलाके में संक्रमण फैलने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। नगर निगम की टीम ने करीब 6 कैमरे का इस्तेमाल किया।

500 से ज्यादा तालाब-नालों में चलेगा अभियान

डेंगू-मलेरिया के खिलाफ नगर निगम का प्रभावी कदम

ड्रोन की मदद से मॉस्किटो लार्विसाइडल ऑयल (एमएलओ) का छिड़काव किया गया। नगर निगम की इस अनोखी पहल को डेंगू और मलेरिया के खिलाफ प्रभावी कदम माना जा रहा है। नगर निगम के प्रभारी नगर स्वास्थ्य अधिकारी व अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने बताया कि ड्रोन की मदद से हम उस स्थान पर भी आसानी से एमएलओ का छिड़काव कर सकेंगे, जहां तक अभी पहुंच नामुमकिन थी। साथ ही इसकी मदद से शहर के हर उस इलाके पर निगरानी रखी जाना आसान हो जाएगा।

राजधानी में बढ़ा मच्छरों का प्रकोप

राजधानी में इन दिनों मच्छरों का प्रकोप देखने को मिल रहा है, जिसके चलते डेंगू व मलेरिया आदि के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। फॉगिंग का असर भी मच्छरों पर नहीं देखने को मिल रहा है। जिसको देखते हुए मॉस्किटो लार्विसाइडल ऑयल (एमएलओ) का इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, यह ऑयल प्रदेश में पहली बार राजधानी में इस्तेमाल हो रहा है। जिससे मच्छर 10 दिनों तक पानी में पनप नहीं सकेंगे।

फोटो :4 पीएम

कार्यक्रम सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेस इंडिया लिमिटेड का 15वां स्थापना दिवस कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि अनुसूचित जाति एवं जन जाति कल्याण राज्य मंत्री असीम अरूण शामिल हुए।

सुरक्षाबलों ने एलओसी से घुसपैठियों को खदेड़ा

» **आतंकियों की मदद कर रही पाक सेना**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाएं फिर से काफी बढ़ गई हैं। इस दौरान सेना लगातार इनका मुकाबला कर रही है। जिसमें भारतीय सेना के जवान भी शहीद हो रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है।

एलओसी पर भारतीय सेना और पाकिस्तानी बॉर्डर एक्शन टीम के बीच फायरिंग हुई। इस दौरान एक घुसपैठिया मारा गया है। वहीं एक जवान भी शहीद हो गया। जबकि एक जवान घायल बताया जा रहा है। कुपवाड़ा के माछिल क्षेत्र में सेना ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया है। कैप्टन समेत अन्य चार जवान घायल हो गए हैं।

सेना ने जानकारी देते हुए कहा कि फायरिंग में एक जवान का बलिदान हो गया है। भारतीय सेना के चिनार कॉर्प्स ने जानकारी देते हुए बताया कि नियंत्रण रेखा पर माछिल सेक्टर के कामकारी में एक चौकी पर अज्ञात लोगों ने फायरिंग कर दी। जिसमें एक पाकिस्तानी नागरिक मारा गया है। जिसमें हमारे दो सैनिक घायल हुए हैं और उन्हें निकाल लिया गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।